पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय तुरा

विद्यालय पत्रिका

जुलाई ,2025-2026

श्री. असीम चंदा
प्रभारी प्राचार्य

संदेश

मनुष्य के पास राख से उठने की महान दृढ़ता है। हमने बार-बार यह साबित किया है। हमारे छात्रों द्वारा प्राप्त सफलता का हर एक क्षण हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। विद्यालय का स्टाफ यह सुनिश्चित करने के लिए पहले से कहीं अधिक मेहनत कर रहा है कि हर बच्चे की देखभाल हो। कोई भी हमारे बच्चों को उनके गौरव से वंचित नहीं कर सकता। उनकी नियति उन्हें तय करनी है और हम शिक्षक पुल की तरह हैं जो चुनौतियों से भरी दुनिया में उनके पार जाने का धैर्यपूर्वक इंतजार कर रहे हैं। केन्द्रीय विद्यालय तुरा से उत्तीर्ण होने वाले छात्र निस्संदेह उन सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे जिन पर उनकी नजर है। वे विविध प्रकार के कौशल से सुसज्जित होंगे और उनके पास जीवन की सबसे कठिन पहेलियों का समाधान खोजने का कौशल होगा। हम इन अद्भुत बच्चों के जीवन का हिस्सा बनने का अवसर देकर माता-पिता द्वारा दिखाए गए समर्थन के आभारी हैं।

हमारे राष्ट्रपिता ने एक बार कहा था, "वह परिवर्तन बनें जो आप बनना चाहते हैं।" आइए हम सभी उठें और जो बदलने की जरूरत है उसे बदलने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें और अपने जीवन को बदलने में कोई कसर न छोड़ें। आइए हम एक-दूसरे पर उंगली उठाना बंद करें और अपने प्रयासों में जुट जाएं। आइए हम एक-दूसरे को ठेस न पहुँचाएँ बल्कि अपने और अपने आस-पास के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के तरीके खोजने के लिए बेहतर संवाद करें। मैं अपने छात्रों, उनके अभिभावकों, अपने सहयोगियों और तुरा के अद्भुत लोगों से ज्ञान और खुशी की तलाश में हमारी यात्रा में शामिल होने का आह्वान करता हूं।

धन्यवाद

श्रेष्ठ विद्यालय टॉपर्स
सीबीएसई बोर्ड परीक्षा दसवीं और बारहवीं कक्षा

ओम बहादुर
प्रथम स्थान अंक 85.40%

श्रिया
विज्ञान
1st स्थान
अंक बनाए 94.6%

विदुषी
दूसरा स्थान अंक 84.20%

सिस्टावा
विज्ञान
2nd स्थान
अंक बनाए 86.60

अचुआन
तीसरा स्थान
अंक बनाए 80.8%

सोहन
विज्ञान
3rd स्थान
अंक बनाए 85.00%

प्रिय विद्यार्थियों,

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय तुरा परिवार की ओर से मैं आप सभी को सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई देता हूँ। यह सफलता आपके सतत परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। आपने न केवल अपने परिवार और शिक्षकों का मान बढ़ाया है, बल्कि विद्यालय का भी नाम रोशन किया है।

आपकी यह उपलब्धि आने वाले जीवन में और भी ऊँचाइयों को छूने की प्रेरणा बनेगी। मैं आशा करता हूँ कि आप इसी तरह मेहनत, विनम्रता और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते रहेंगे। जीवन में आने वाली हर नई चुनौती को अवसर में बदलें और अपनी प्रतिभा से समाज और राष्ट्र की सेवा करें।

आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएँ।

प्राचार्य
श्री असीम चंदा
पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय तुरा

Unlocking the Door to Knowledge: The E-Library of Kendriya Vidyalaya Tura

ePathshala App
Read NCERT books in Mobile

FREE ONLINE EDUCATION
swayam

vidyanjali
(A School Volunteer Programme)

ई जादुई पिटारा

The e-library of Kendriya Vidyalaya School is a pioneering initiative that has transformed the learning experience. With its vast array of digital resources, the e-library provides students with a convenient, accessible, and personalized way to learn. As technology continues to evolve, it is essential for educational institutions to stay ahead of the curve and leverage the e-library to create a more engaging, effective, and inclusive learning experience.

"एक स्कूल चार दीवारों से घिरी एक इमारत है जिसके अंदर भविष्य छिपा है। एक स्कूल मानसिक, सामाजिक, आर्थिक और शारीरिक विकास के क्षेत्र में लोगों और उनके समाज को बदलने में एक बड़ी भूमिका निभाता है। यह एक सामाजिक संस्था है जो समाज और पूरे देश की संरचना और स्वरूप को दर्शाती है और एक ऐसा स्थान है जहाँ व्यक्ति "वह कौन है?" और "वह क्यों है?" को जानता है और तदनुसार अपनी अनूठी और सार्वभौमिक संभावनाओं को विकसित करता है, जिन्हें अब तक खोजा नहीं जा सका था। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय तुरा एक युवा विद्यालय है जिसकी स्थापना 1970 में हुई थी। तब से यह तेज़ी से बदलती वैश्वीकृत दुनिया के साथ तालमेल बिठाने के लिए खुद को ढाल रहा है और अद्यतन कर रहा है। मैं, एक शिक्षक होने के नाते, सभी छात्रों को अपनी रुचि का क्षेत्र विकसित करने की सलाह देता हूँ क्योंकि हर कोई अलग होता है और उसकी क्षमताएँ और प्रतिभाएँ अलग होती हैं, इसलिए वह अलग तरह से सफलता प्राप्त करता है। अपने दृष्टिकोण में हमेशा लचीला, उदार और अनुकूलनशील रहें, ये समय की माँग हैं, यह आपके रास्ते में आने वाली चुनौतियों का सामना करने में आपकी मदद कर सकता है, इस प्रकार आप विपरीत परिस्थितियों में अवसर खोज सकते हैं, आप इसे वर्तमान स्थिति से जोड़ सकते हैं जहाँ आप चार दीवारों के पीछे बंद रहने को मजबूर हैं, जहाँ कई बार आप खुद को संभालने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रिय विद्यार्थियों, आशा मत खोइए, बिना हार माने अपना कर्तव्य निभाइए, किसी भी चीज़ को अपने अस्तित्व को चुनौती न देने दीजिए। के.वी. तुरा के एक शिक्षक के रूप में, मैं आपको सलाह देता हूँ कि आप सभी स्कूल गतिविधियों में हमेशा और हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, ईमानदारी से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सुगम बनाने में एक अनिवार्य भूमिका निभाएँ। पिछले पाँच दशकों में बहुत कुछ किया गया है और आने वाले वर्षों में अभी और भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। मुझे विश्वास है कि हमारी स्कूल ई-पत्रिका का यह संस्करण शिक्षा के क्षेत्र में हमारे स्कूल और छात्रों के लिए सहायक सिद्ध होगा।

कृष्णनंदन कुमार, टीजीटी संस्कृत

मेघालय – मेघों का घर, संस्कृति का स्वर

मेघों की चादर में लिपटी वादियाँ,
झरनों की फुहारें, हँसती घाटिया
हरी-भरी पर्वत श्रृंखलाएँ,
फूलों की खुशबू, बिखरी हवाएँ।

नदियों के तट, स्वच्छ जलधारा,
वनों का संगीत, पंछी का नारा।
इंद्रधनुष यहाँ रंग सजाता,
हर मौसम में मन बहलाता।

खासी, जयंतिया, गारो की बस्ती,
संस्कृति में रची- बसी सादगी सस्ती।
त्योहारों की छटा निराली,
नृत्य-गीतों की महक मतवाली।
बांस की बाँसुरी, ढोल की थाप,
लोकगीतों में जीवन का आप।
अतिथि को मानें देव समान,
प्रेम-सद्भाव है इनका मान।
प्रकृति और संस्कृति का संगम,
मेघालय है जैसे स्वर्ग का आगम।
धरती पर स्वर्ग का ये नजारा,
जिसने देखा, मन ने पुकारा

विनोद यादव
पीजीटी हिंदी

Nurturing Creativity and Self-Expression through Art Education with Passion

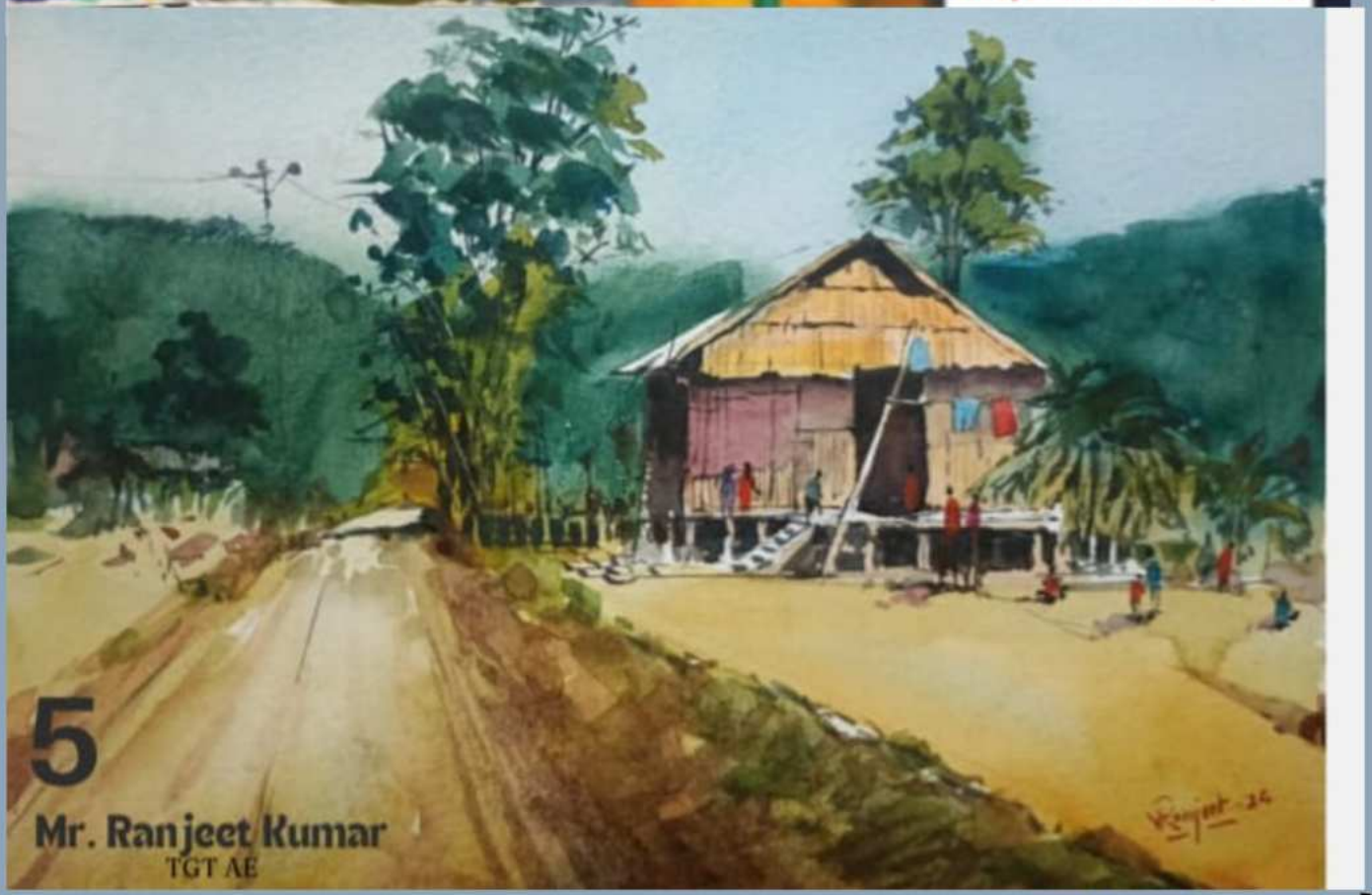

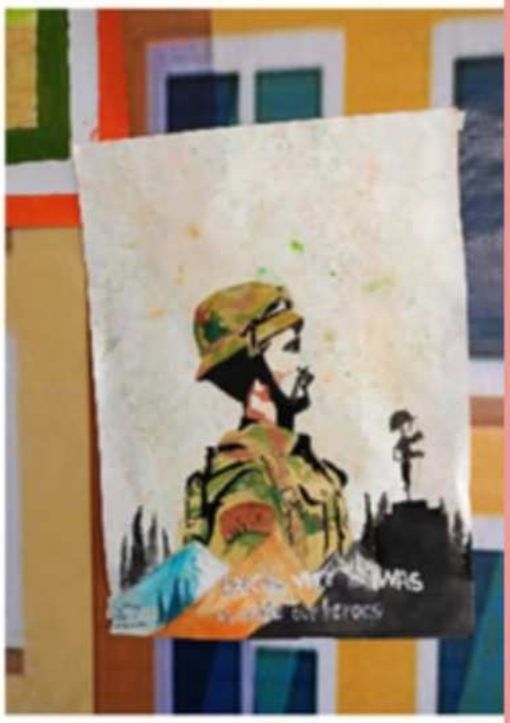

ENGLISH POEM

PANDEMIC OF PEACE

What if peace spread like a plague from person for person city to city, Country to country, where everyone was under a strict order to love their neighbour as themselves & uphold loving kindness With their whole heart, their whole mind, their whole soul, & with all of their strength ? A pandemic of peace would sweep the world.

-Anisha Saha

SHILLONG

When it's cold it pricks And when it rains it washes Your troubles away homesicks and alone When the road brought me here No familiar faces nor a soul to run to But years passed by And walking down that road Seeing those regular friendly faces I realise I found a home Far away from home Sometimes I do wonder if I will ever get the chance to walk that path again to watch the blossomings the falls the quit afternoons And the IIM folks But the beauty of life Life is a great adventure.

-D.JAYASREE 9th

OH GOD! QUARANTINE

The whole world is stopped Nothing is fine, Silence everywhere Oh God! this Quarantine. To fight with covid We should have strong immunity, For the poor The only thing will help is humanity Eat healthy drink healthy Build a healthy brain Don't worry If there is another covid strain Everything is closed In the street and lines , Silence everywhere Oh God! this quarantaine.

- Prabhjot Kaur

CLASS 12 : ENDING CHAPTER OF THE SCHOOL LIFE

School life is the best life where we lived. Our school days are the memorable and most important role it plays of education. Students of class 12th are the seniors of the rest classes, they also have their responsibilities as a senior. We know this, that the older we get the more we are to take responsibility in our daily. We make friends, our classmates are the first option to begin a friendship with. It is so sad to accept that Class 12 students can no longer be a part of school after they get graduate from school. In the last year of school they live every moment they can enjoy on, School life is not just about making memories with friends or interacting with teachers, The most what school give us is Education. We learn from what we get taught by, and this is where we need to be responsible as a student, Studies! Studying is not a difficult thing to do. One must have interest with studies, they may have its own favourite subject which is ought to say that they've much more interest on it than other subjects. Apart from studies, co-curriculum activities are also important for our knowledge, to improve skills, to maintain our discipline . Experiences of being a student is so beautiful, we share our lunch boxes with friends and the bad guy steals either Ate before the lunch break, during classes. Giving our teachers a nickname for them was a part of student personal activity one who wears spectacles was called chasmish madam, one who speak fluent English was called Masterji, one with short height was called kali and one with slim body was called bahubali . These are the part of jokes to maintain laughed and it also make us to get more comfortable with teachers when they act friendly. Teacher's role in student life makes the foundation for a good student so that one must become a good listener. The more teacher act friendly the more students can interact by, and the more the bond is great, the more students understand the lectures and every topic what teacher teaches. They should be balanced in order to improve self studies, and in others too. The last and final year for a student is 12th class indeed it is a final year of school but not the last step of education there are further more to go ahead for which we prepared in school. To remember the day every school celebrates Farewell as a day of remembering those who are getting separate not by heart but will be distanced as we have move out for further education for our career. We cherish the last day we cry when we remember old days of school life . Tears will be shed for the time we spent together. Let us student get ahead for future for there are more to see in life, Prepare yourself for the dark and Save your tears for there'll be more happy days to shed on.

By- Noanchi R Marak 12th class

FRIENDS

Friends are the one who makes us smile,
Who always become a part of our sadness,
Who do everything to make us happy.
Sometimes we fight or cry for each other
And yet again we become friends.
You might be thinking how I know
Show much about friends It is because I have someone who taught me
What is friendship.
When he came to my life as my best friend I suddenly started changing....
He changed my life, I became happier,
But slowly, something happened which affected Our friendship.
He went away from me, far away I was nowhere in this world
He was with someone else and I was with Someone...
But none of us were happy I always thought of him but it was useless.
We Both became friends again I just know that he came to my life
To make it run in a glorious way
Memories we shared Will be cherished forever
And even though we might not be together
There imprints will always remain in my Heart forever.

-Abhishekh Kumar Goswami

ON ITS WAY

Some feelings are shallow, some feelings are deep.
Some make us smile, some make us weep.
Some we like, some we don't.
Some we'll store for forever, some we won't.
Some breaking, some making,
Some long-lasting, some constantly shaking.
No matter what feelings, I'm feeling today,
I know tomorrow is on its way, just a day away.

- Upasana Gaur Class -11

REMINISCE

I'd stare at the window longing to go home Get involve in chatter and ignore the board The flying chalk stops the talk Silent were the voices as he walked One short but joyful break of the day All wishes the school hours to be that way
Freedom of field below the bluest sky Transformed into the darkest grey We could feel as if the wind takes us high A solution to normalise we pray
Now the place I hate is the place I miss How it gets better every time I reminisce The palace of abhor was never bore Now ought to enter but we're locked Cover a mouth to save a life As waves of hurt passes by.

- Ronggrik D Shira , XII

Old Days before the Days -

Life was always fast-paced, we never slowed down, Until everything stopped when corona came to town. Now all is quiet and there's peace all around, We've looked in our hearts and kindness we've found.

Now we learn with mother, this is a new feature, But we can't wait to get back to our teacher. We miss to what we attached, I miss my dad, We miss our friends and sharing emotions, makes me sad.

We've had social distancing path, social distancing talks, Social distancing greets and social distancing walks. We are looking forward to getting away, Picnic and Hiking with friends a perfect holiday.

When is it? We all throw our arms open wide, We can all go outside ;a shout to the world. Don't lose your faith, the end is in sight, If we stick together, we'll all win this fight.

-Noanchi R Marak Class 12

A BOAT ON THE SEA

Each one of us is a boat, On the sea called "life" it's afloat Journeying through the unknown and remote, With dreams and ambitions we bloat

Occasionally, the sea remains neutral, But sometimes, the waves are brutal Storms and hurricanes maybe fatal, But after the struggle, the sea turns gentle

Being clear and positive opens a new route, To the destination for which we are in pursuit

The time is crucial, the goal is absolute, Abandon your fears and persevere to reap the fruit

All we need is to never lose hope, To open up to our families and extend the rope

Continuing to be brave against the problems we cope, We can build a bright future and a whole new scope!

Since many adolescents go through a phase in life where they start worrying about their future, their career, and become confused, insecure, and afraid, they start bottling it up to the point that they isolate themselves from the rest of the world. Therefore, through this poem, I want to convey this message to all my fellow classmates and my fellow juniors that everything will eventually turnout to be great. All we need is a little bit of hope, a little bit of confidence, and a ton of positivity!

-Subhashree Roy, Class12

हिंदी कविता

आजादी की पुकार

अगर आजादी को बचाना चाहते हो तो देश के लिए लहू बहाना होगा
जो देश के खातिर जीते मरते हैं उनके आगे अपना शीश झुकाना होगा
अगर चाहते हैं जय हिन्द का नारा बुलंद रहे तो तुम्हें सुबाष बनकर आना होगा।
अगर अकबर को उनकी ओकात दिखानी है तो खुद को प्रताब बन जाना होगा
मुगलों से लोहा लेने है तो तुम्हें शिवाजी बन जाना होगा
गोरो को मौत सुलानी है तो पृथ्वी राज सा बान चलाना होगा
अगर अंग्रेजो के छक्के छुड़ाने हो तो लक्ष्मी बाई बन जाना होगा
कभी मंगल, कभी भगत, तो कभी आजाद
बनकर धरती पर आना होगा
जाति धर्म देखे बिना देश द्रोहियों को अपने हाथों से मिटाना होगा
नई पीढ़ी को अभिमन्यु सा गर्भ में ही देश भक्ति का पाठ पढ़ाना होगा
तुम्हें व्यक्तिवाद छोड़कर राष्ट्रवाद को अपनाना होगा
हर व्यक्ति को भारतीय होने का स्वाभिमान जगाना होगा
वीरता की परंपरा को आगे बढ़ना होगा
हर भारतीय को देश के लिए जीना सीखना होगा
जय हिन्द जय भार

-वैष्णवी संतोष अकर

मुस्कुराओ

किसी ने कहा है मुस्कुराओ!
हर चीज के मुस्कुराने का कारण सोच कर मुस्कुराओ!
मुस्कुराओ! मुस्कुराओ अगर है
सर पर छत,
बदन पर कपड़ा,
और है थाली में खाना.
यह सोचकर मुस्कुराओ,
की ऊपर वाले ने हर चीज का कारण सोचकर मुस्कुराने का कारण दि
मुस्कुराओ अगर है दिल में ज्यादा दुख,
उसे बात कर मिलकर मुस्कुराओ.
मुस्कुराओ अगर है दिल में ज्यादा खुशी,
उसे फिर से बात कर मिलकर मुस्कुराओ!
मुस्कुराना सीखो, मुस्कुराना सिखाओ!

किसी ने कहा है मुस्कुराओ,
किसी ने मुस्कुराके कहा है
मुस्कुराओ!

कवि- अपर्णा बक्शी
कक्षा-आठवीं

एक शिष्य की आशाऐं

हे गुरु! मुझे अब इतना सीखा दें,
सही-गलत की पहचान करना सीखा दें।
हर परिस्थिति से लड़ना सीखा दें।
हर मुश्किल से लड़कर आगे बढ़ जाए इतना समझदार बना दें॥
हे गुरु! मुझे अब इतना सीखा दें,
हार के जीतने का हुनर सीखा दें।
जीवन संघर्षों से लड़ना सीखा दे,
सत्य- न्याय के पथ पर चलना सीखा दें।।
हे गुरु! मुझे अब इतना सीखा दें,
चाँद - सितारों से आगे बढ़ना सीखा दें।
सुख - दुःख मे एक समान जीना सीखा दें,
मुश्किल रास्तों पर भी मंजिल सजाना सीखा दें।।
हे गुरु! मुझे अब इतना सीखा हैं,
मुझे जो ख्वाब दिखाये वो जीतना सीखा दें।
कांटो के बीच खिलखिलाना सीखा दे,
आँधी-तूफान से लड़खराये नही ऐसा मंत्र सीखा दे

कवि- कृष्णा नायक
कक्षा- आठवीं

भाई

तुम एक नन्हे से छोटे बालक,
इस दुनिया में आए,
और खुशियां बताने की
हां! मैं भी इस छोटे से परिवार का हिस्सा हूं.
सबसे खुशी की बात यह है,
कि मैं भी अब किसी की बड़ी बहन बनी!
इस रंगीली दुनिया में आए हो तो,
अब यह रंगों सा जहां और रंगीला कर दो!
ताकि तुम्हारे इस खुशी की मुस्कुराहट,
और रंगीली हो जाए!
इंद्रधनुष में जैसे सात रंग होते हैं,
वैसे ही मेरे इस इंद्रधनुष जैसी दुनिया में,
तुम भी एक रंग हो!

कवि- अपर्णा बक्शी
कक्षा-आठवीं

गुरु महिमा का क्या सार लिखूं।

कागज खत्म हो जाता है, स्याही खत्म हो जाती है। गुरु को भगवान का दीदार लिखूं, गुरु महिमा का क्या सार लिखूं ।।
हाथ थककर रुक जाता है, मुख मौन हो जाता है, पर गुरु गुण पूर्ण न हो पाता है। गुरु महिमा मैं कितनी बार लिखूं, गुरु महिमा का क्या सार लिखूं ।।
कभी पिता - सा डाँट लगाते हैं, फिर माँ-सा प्यार दिखाते हैं। गुरु का कितना प्यार लिखूं, गुरु महिमा का क्या सार लिखूं ।।
व्यक्ति से व्यक्तित्व बनाते हैं, शिल्पकार सा ठोक बजाकर, मानव को देवता बनाते हैं। सूर्य को दीपक दिखाकर, अपना क्या मैं नाम करूं, गुरु महिमा का क्या सार लिखूं ।

नितीका शर्मा
कक्षा नवमी

ऐसे होते हैं हमारे शिक्षक

ज्ञान के पुंज है शिक्षक संस्कृति के रक्षक हैं शिक्षक अज्ञान के नाशक है शिक्षक ऐसे होते हैं हमारे शिक्षक
ज्ञान के संवाहक है शिक्षक देश के भविष्य का निर्णायक है शिक्षक हमारे जीवन के पथ प्रदर्शक है शिक्षक ऐसे होते हैं हमारे शिक्षक
ज्ञान ज्योति से घर-घर दीपक जलाते हैं शिक्षक अज्ञानता का तिमिर भगाते हैं शिक्षक हार कर भी जितने का हुनर सिखाते हैं शिक्षक ऐसे होते हैं हमारे शिक्षक
जीवन संघर्षों से लड़ना सिखाते हैं शिक्षक सत्य न्याय का मार्ग दिखाते हैं शिक्षक नालायक से लायक बनाते हैं शिक्षक ऐसे होते हैं हमारे शिक्षक

रुहानी
कक्षा नवमी

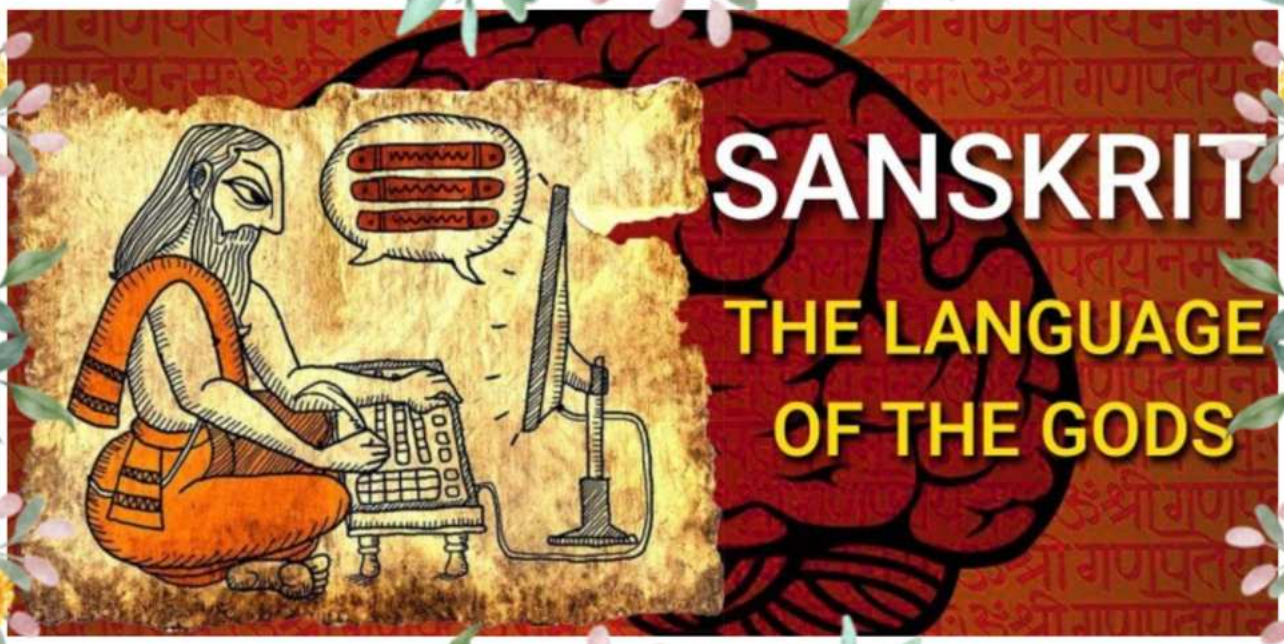

मेघालयमहिमा

मेघानां आलयं रम्यं,
शिखराणि मेघवेष्टितानि।
झरितजलधाराः शोभन्ते,
वनानि सुगन्धि-पुष्पितानि॥

खासी-जैन्तिया-गर्भितं,
गौरवम् अस्य भूमेः महान्।
संस्कृतेः गीत-नृत्यैः युक्तं,
जनजीवनम् आनन्दपूर्णम्॥

नद्यो लीलया प्रवहन्ति,
मातङ्गाः गजेन्द्रा विचरन्ति।
एष मेघालयः स्वर्गसदृशः,
भारतस्य रत्नमणिः शुभ्रः॥

अपर्णा बक्शी
कक्षा-9

प्रकृतिसौन्दर्यम्

नभसि नीलिमा शोभा,
गगने दीप्यते दिवाकरः।
वृक्षाः पुष्पैः सुशोभिताः,
मधुकराणां गुञ्जनम् आनन्ददायकम्॥

सरसिजवनं सुगन्धितम्,
शीतलजलधाराः प्रवहन्ति।
एषा मातृभूमिः सुन्दरम्,
यत्र जीवः सुखं वसति॥

दीव्या सिंह
कक्षा-7

केन्द्रीयविद्यालयतुरामहिमा

ज्ञानदीपः सदा ज्वलति,
विद्यायाः केन्द्रे नित्यम्।
शिक्षकाः श्रमपरायणाः,
शिष्याः धर्मनिष्ठयुताः॥

सहृदयतया सह वयं,
संस्कारेषु प्रगतिं व्रजामः।
क्रीडायाम् अपि कीर्तिं लभामः,
विज्ञानकलासु च शिरोमणयः॥

तुरानगरे शोभायुक्तः,
एष विद्यालयः प्रियः।
भारतस्य गौरववर्धकः,
भविष्यस्य दीपप्रकाशकः॥

बीडान
कक्षा-8

गुरुप्रशंसा

दीपवत् तमः नाशयति,
ज्ञानदीपं सदा प्रज्वालयति।
स्वहितं विस्मृत्य नित्यं,
शिष्यहिताय जीवनं यापयति॥

गुणान् संस्कारान् ददाति,
मार्गे सत्ये प्रतिष्ठापयति।
विद्यया अमृतं यः पिबयति,
सः गुरुर्भवति पूज्यतमः॥

अयोन महन्त
कक्षा -9

PM SHRI Kendriya Vidyalaya Tura

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

Meghalaya

SUCCESS IS THE SUM OF SMALL EFFORTS,
REPEATED DAY IN AND DAY OUT...

WITH MUCH APPRECIATION

THANK YOU